NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th

Subject : हिन्दी

Chapter : 4

Chapter Name : मनुष्यता

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

Q 1. कवि ने कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है?

Answer. प्रत्येक मनुष्य समयानुसार मृत्यु को अवश्य प्राप्त होता है इसलिए मृत्यु से डरना नहीं चाहिए बल्कि जीवन में ऐसे कार्य करने चाहिए जिससे उसे बाद में भी याद रखा जाए। जो मनुष्य दूसरों के लिए अच्छे काम कर जाता है उस मनुष्य को मरने के बाद भी लोग याद रखते हैं। कवि ने ऐसी मृत्यु को ही सुमृत्यु कहा है।

Page: 22, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

Q 2. उदार व्यक्ति की पहचान कैसे हो सकती है?

Answer जो आदमी पूरे संसार में आत्मीयता और भाईचारा का संचार करता है उसी व्यक्ति को उदार माना जा सकता है।उदार व्यक्ति किसी से भेदभाव नहीं रखता और सबसे आत्मीय भाव रखता है। कवि और लेखक भी उसकी चर्चा अपने लेखों में करते हैं। उदार व्यक्ति के मन, वचन, कर्म से संबंधित कार्य मानव मात्र की भलाई के लिए होते हैं। वह स्वयं हानि उठाकर भी दूसरों का हित करता है। प्रेम, भाईचारा और आत्मीयता का भाव ही उसकी पहचान होता है।

Page: 22, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q 3. कवि ने दधीचि, कर्ण, आदि महान व्यक्तियों का उदाहरण देकर "मनुष्यता" के लिए क्या संदेश दिया है?

Answer. कवि दधीचि, कर्ण आदि महान व्यक्तियों का उदाहरण देकर त्याग और बलिदान का संदेश देना चाहते हैं। दधीचि ने देवताओं की रक्षा के लिए अपनी हड्डियाँ दान दी, कर्ण ने अपना सोने का रक्षा कवच दान दे दिया, रतिदेव ने अपना भोजन थाल दे डाला, राजा उशीनर ने कबूतर के लिए अपना माँस दे दिया। ये कथाएँ हमें सन्देश देती हैं कि मनुष्य को इस शरीर के लिए मोह का त्याग कर देना चाहिए। सच्चा मनुष्य वही होता है जो दूसरे मनुष्य के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दे।

Page: 22, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q4. कवि ने किन पंक्तियों में यह व्यक्त किया है कि हमें गर्व-रहित जीवन व्यतीत करना चाहिए?

Answer. "रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में,

सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में।

अनाथ कौन है यहाँ? त्रिलोकनाथ साथ हैं,

दयालु दीनबंधु के बड़े विशाल हाथ हैं।"

कवि ने इन पंक्तियों में यह व्यक्त किया है कि हमें गर्व रहित जीवन व्यतीत करना चाहिए। ईश्वर ने सुख-साधन , धन- संपत्ति आदि दिए हैं तो हमें उन पर गर्व नहीं करना चाहिए क्योंकि इस संसार में कोई अनाथ नहीं है , ईश्वर सबके नाथ हैं।

Page: 22, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q 5. "मनुष्य मात्र बंधु है" से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।

Answer. संसार के सभी मनुष्य आपस में भाई-भाई हैं। कवि के अनुसार इस बात की समझ एक बहुत बड़ा विवेक है। सभी मनुष्यों में ईश्वर का ही अंश है।इसलिए सभी को प्रेम भाव से रहना चाहिए और एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए। प्रत्येक मनुष्य को निर्बल मनुष्य की पीड़ा दूर करने के काम आना चाहिए।

Page: 22, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q 6. कवि ने सबको एक होकर चलने की प्रेरणा क्यों दी है?

Answer. कवि ने सबको एक होकर चलने की प्रेरणा इसलिए दी है क्योंकि एकता में बल होता है। मनुष्य का जीवन आपसी सहकारिता पर निर्भर करता है। प्रेम भाव से आपस में मिलकर रहने से सभी कार्य सफल होते हैं। हम सभी मनुष्यों में ईश्वर का ही अंश है। इसलिए सभी को प्रेम भाव से रहना चाहिए, सबकी सहायता करनी चाहिए, एक होकर चलना चाहिए।

Page: 22, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये

Q 7. व्यक्ति को किस प्रकार का जीवन व्यतीत करना चाहिए? इस कविता के आधार पर लिखिए।

Answer. कवि कहता है मनुष्य को ऐसा जीवन व्यतीत करना चाहिए कि लोग उसकी मृत्यु के बाद भी उसके सद्गुणों , त्याग और बलिदान को याद रखें।जो मनुष्य सेवा और बलिदान का जीवन व्यतीत

करते हैं और किसी महान कार्य के लिए अपना जीवन समर्पित कर देते हैं, उनकी मृत्यु सुमृत्यु कहलाती हैं।

Page: 22, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

Q 8. "मनुष्यता" कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

Answer. इस कविता के माध्यम से कवि आपसी भाईचारे का संदेश देना चाहते हैं। अन्य प्राणियों की तुलना में मनुष्य में चेतना शक्ति प्रबल होती है। मनुष्य दूसरों के हित का ख्याल रख सकता है। जब हम दूसरों के लिए जीते हैं, तभी लोग हमें मरने के बाद भी याद रखते हैं। "मनुष्यता" कविता के माध्यम से कवि मैथिलीशरण गुप्त मानवता, एकता, दया, करुणा, परोपकार और उदारता से परिपूर्ण जीवन जीने का संदेश देना चाहते हैं । इस कविता का संदेश यह है कि परोपकार के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए तत्पर रहना चाहिए। हमें धन-दौलत होने पर घमंड नहीं करना चाहिए तथा खुद आगे बढ़ने के साथ-साथ औरों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देनी चाहिए। इसलिए सभी को प्रेम भाव से रहना चाहिए, सबकी सहायता करनी चाहिए।

Page: 22, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये –

(ख) निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-

Q1. सहानुभूति चाहिए, महाविभूति है यही;

वशीकृता सदैव है बनी हुई स्वयं मही।

विरुद्धवाद बुद्ध का दया-प्रवाह में बहा,

विनीत लोकवर्ग क्या न सामने झुका रहा?

Answer. कवि ने एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति की भावना को उभारा है क्योंकि यही गुण मनुष्य को महान और उदार बनाता है। प्रेम, सहानुभूति, करुणा के भाव से मनुष्य जग को जीत सकता है। महात्मा बुद्ध के विचारों का भी विरोध हुआ था परन्तु जब बुद्ध ने अपनी करुणा, प्रेम व दया का प्रवाह किया तो उनके सामने सब नतमस्तक हो गए। जो दूसरों का उपकार करता है, वही सच्चा उदार मनुष्य है।

Page: 22, Block Name: निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-

Q2. रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में,

सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में।

अनाथ कौन है यहाँ? त्रिलोकनाथ साथ हैं,

दयालु दीनबंधु के बड़े विशाल हाथ हैं।

Answer. इन पंक्तियों का भाव है कि मनुष्य को कभी भी धन पर घमंड नहीं करना चाहिए। कुछ लोग धन प्राप्त होने पर स्वयं को सुरक्षित व अनाथ समझने लगते हैं परन्तु उन्हें सोचना चाहिए कि इस दुनिया में कोई अनाथ नहीं है। सभी पर ईश्वर की कृपा दृष्टि है। हमें उस पर भरोसा रखना चाहिए। ईश्वर सभी को समान भाव से देखता है और सभी की सहायता करता है।

Page: 22, Block Name: निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-

Q3. चलो अभीष्ट मार्ग में सहर्ष खेलते हुए,

विपत्ति, विघ्न जो पड़ें उन्हें ढकेलते हुए।

घटे न हेलमेल हाँ, बढ़े न भिन्नता कभी,

अतर्क एक पंथ के सतर्क पंथ हों सभी।

Answer. इन पंक्तियों में कवि कहता है कि बाधाओं, कठिनाइयों को हँसते हुए, ढकेलते हुए बढ़ते रहना चाहिए लेकिन मेलजोल कम नहीं करना चाहिए।विश्व एकता को बनाए रखना चाहिए।अपने व्यक्तिगत स्वार्थों का त्याग कर दूसरों के हित का चिंतन करना चाहिए। किसी को अलग न समझें, सभी पंथ मिलकर सभी का हित करने की बात करे,बिना किसी तर्क के सतर्क होकर इस मार्ग पर चलना चाहिए।

Page: 22, Block Name: निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए।

योग्यता विस्तार

Q. 1. अपने अध्यापक की सहायता से रंतिदेव, दधीचि, कर्ण आदि पौराणिक पात्रों के विषय में जानकारी प्राप्त कीजिए|

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 22, Block Name: योग्यता विस्तार

Q. 2. 'परोपकार' विषय पर आधारित दो कविताओं और दो दोहों का संकलन कीजिए | उन्हें कक्षा में सुनाइए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 22, Block Name: योग्यता विस्तार

परियोजना कार्य

Q. 1. अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की कविता 'कर्मवीर' तथा अन्य कविताओं को पढ़िए तथा कक्षा में सुनाइए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 23, Block Name: परियोजना कार्य

Q. 2. भवानी प्रसाद मिश्र की 'प्राणी वही प्राणी है' कविता पढ़िए तथा दोनों कविताओं के भावों में व्यक्त हुई समानता को लिखिए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 23, Block Name: परियोजना कार्य

aglasem.com